PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
Middle School Teacher Eligibility Test - 2018
9th Mar 2019 02:30 PM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) Which theory laid the foundations for behaviorism? / किस सिद्धांत ने व्यवहारवाद की नींव रखी?

1. Functionalism / प्रकार्यवाद (फंक्शनलिज्म)

2. Gestalt / गेस्टॉल्ट

3. Connectionism / संयोजनवाद (कनेक्टिीविज़्म)

4. Structuralism / संरचनावाद

Correct Answer :-

- Connectionism / संयोजनवाद (कनेक्टिीविज़्म)

2) Vygotsky's work serves as foundation for researchers in ___________ / वाइगोत्सकी का काम _____________ में शोधकर्ताओं के लिए नींव का काम करता है।

1. cognitive development / संज्ञानात्मक विकास

2. pedagogical skills / शैक्षणिक कौशल

3. emotional intelligence / भावनात्मक बुद्धि

4. reflective practices / चिंतनशील अभ्यासों

Correct Answer :-

- cognitive development / संज्ञानात्मक विकास

3) Which of the following is the most appropriate approach for conceptual learning?/ निम्नलिखित में से वैचारिक अधिगम के लिए सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण क्या है?

1. Deep learning approach / गहन अधिगम दृष्टिकोण

2. Surface learning approach / पृष्ठ अधिगम दृष्टिकोण

3. Strategic learning approach/ सामरिक अधिगम दृष्टिकोण

4. Memory based learning approach/ स्मृति आधारित अधिगम दृष्टिकोण

Correct Answer :-

- Deep learning approach / गहन अधिगम दृष्टिकोण

4) On what is based the need for teaching philosophy of education? / शिक्षा के शिक्षण दर्शनशास्त्र की आवश्यकता किस पर आधारित है?

1. All pupils are not alike / सभी शिष्य एक जैसे नहीं होते।

2. Different systems of education found in different countries / अलग-अलग देशों में अलग-अलग शिक्षण प्रणालियाँ देखी जाती हैं।

3. Different philosophies expressed different points of view on every aspect of education / विभिन्न दर्शनशास्त्रों ने शिक्षा के हर पहलू पर अलग-अलग दृष्टिकोण व्यक्त किए।

4. Different ways of teaching-learning / शिक्षण-अधिगम के विभिन तरीके।

Correct Answer :-

- Different philosophies expressed different points of view on every aspect of education / विभिन्न दर्शनशास्त्रों ने शिक्षा के हर पहलू पर अलग-अलग दृष्टिकोण व्यक्त किए।

5) **OCD does not affect which of the following cognitive constructions?/**

ओसीडी निम्नलिखित संज्ञानात्मक निर्माणों में से किसे प्रभावित नहीं करता है?

1. Believes about inflated responsibility/ अतिरिक्त उत्तरदायित्व के प्रति विश्वास
2. Underestimation of personal ability/ व्यक्तिगत क्षमता को कम आंकना
3. Intolerance of uncertainty / अनिश्चितता की असहिष्णुता
4. Control of thoughts/ विचारों पर नियंत्रण

Correct Answer :-

- Control of thoughts/ विचारों पर नियंत्रण

6) **Emotional development is part of ______. / भावनात्मक विकास _______ का हिस्सा है।**

1. Motor development / क्रियात्मक (मोटर) विकास
2. Cognitive development / संज्ञानात्मक विकास
3. Psychosocial development / मनोसामाजिक विकास
4. Sensory development / संवेदी (सेंसरी) विकास

Correct Answer :-

- Psychosocial development / मनोसामाजिक विकास

7) **A child has been bullied in the bus every day on the way to school. Now, when he hears the sound of any bus approaching, he begins to panic. What principle of learning explains this behaviour? / एक बच्चे को स्कूल जाते हुए हर रोज तंग किया जाता है। अब, जब भी वह किसी बस के पास आने की आवाज़ सुनता है, तो वह घबराने लगता है। अधिगम का कौन सा सिद्धांत इस व्यवहार की व्याख्या करता है?**

1. Reinforcement / पुनर्बलन
2. Punishment / दंड
3. Stimulus generalisation / उद्दीपक सामान्यीकरण
4. Stimulus discrimination / उद्दीपक विभेदीकरण

Correct Answer :-

- Stimulus generalisation / उद्दीपक सामान्यीकरण

8) **A child is motivated to jump from the first floor window to the ground because it gives her a thrill. What motivation theory best describes this kind of motivation? / एक बच्चा पहली मंजिल की खिड़की से जमीन पर कूदने के लिए प्रेरित होता है, क्योंकि यह उसे रोमांच देता है। किस प्रकार के प्रेरणा सिद्धांत इस प्रकार की प्रेरणा का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं?**

1. Arousal theory / प्रोद्दीपन सिद्धांत (अराउजल थ्योरी)
2. Incentive theory / प्रोत्साहन सिद्धांत
3. Drive theory / ड्राइव सिद्धांत
4. Instinct theory / वृत्ति सिद्धांत

Correct Answer :-

- Arousal theory / प्रोद्दीपन सिद्धांत (अराउजल थ्योरी)

9) **Which of the following sentence is TRUE in the context of guidance and counselling in school?/ निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य, स्कूल में मार्गदर्शन और परामर्श के संदर्भ में सही है?**

1. Talking about my problems, in counselling or otherwise, isn't going to help. / काउंसलिंग या अन्य में मेरी समस्याओं के बारे में बात करने से भी कोई मदद नहीं मिल रही है।
2. Counselling takes only one sitting to be effective. / परामर्शदाता प्रभावी होने के लिये केवल 1 ही बैठक (सीटिंग) करता है।

3. Helps in working through personal problems that may affect academics or relationships. / व्यक्तिगत समस्याओं के माध्यम से काम करने में मदद करता है जो शिक्षाविदों या रिश्तों को प्रभावित कर सकता है।

4. Students get counselling only because there is a counselor in school. / छात्रों को केवल इसलिए परामर्श मिलता है क्योंकि विद्यालय में परामर्शदाता है।

Correct Answer :-

- Helps in working through personal problems that may affect academics or relationships. / व्यक्तिगत समस्याओं के माध्यम से काम करने में मदद करता है जो शिक्षाविदों या रिश्तों को प्रभावित कर सकता है।

---

10) Which of the following provides excellent resources to explore? / निम्नलिखित में से कौन सा पता लगाने (एक्सप्लोर करने) के लिए उत्कृष्ट संसाधन प्रदान करता है?

1. LCD projector / एलसीडी प्रोजेक्टर

2. Internet / इंटरनेट

3. Interactive smart board / इंटरेक्टिव स्मार्ट बोर्ड

4. Language Lab / लैंग्वेज लैब

Correct Answer :-

- Internet / इंटरनेट

---

11) Which memory is connected with episodes and events? / प्रसंग और घटनाओं के साथ कौन सी स्मृति जुड़ी होती है?

1. Long-term / दीर्घावधि

2. Episodic / प्रासंगिक स्मृति (एपिसोडिक)

3. Semantic / अर्थ स्मृति (सीमेंटिक)

4. Short-term / अल्पावधि

Correct Answer :-

- Episodic / प्रासंगिक स्मृति (एपिसोडिक)

---

12) The type of personality called 'Asthenic' was introduced by / 'स्थेनिक' नामक व्यक्तित्व किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था:

1. Freud / फ्रायड

2. Sheldon / शेल्डन

3. Kretschmer / क्रेशमर

4. Jung / युंग

Correct Answer :-

- Kretschmer / क्रेशमर

---

13) The 3 primary laws of Thorndike's theory are: / थार्नडाइक के सिद्धांत के 3 प्राथमिक नियम हैं:

1. law of readiness, law of exercise, law of effect / तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम, प्रभाव का नियम

2. law of intensity, law of analogy, law of assimilation / तीव्रता का नियम, सादृश्य का नियम, आत्मसातकरण का नियम

3. law of action, law of experience, law of result / कार्य का नियम, अनुभव का नियम, परिणाम का नियम

4. law of use, law of practice, law of disuse / प्रयोग का नियम, अभ्यास का नियम, अनुपयोग का नियम

Correct Answer :-

- law of readiness, law of exercise, law of effect / तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम, प्रभाव का नियम

---

14) Minnesota Multiphasic Personality Inventory (MMPI-2) has / मिनेसोटा मल्टीफेज़िक पर्सनालटी इंवेंटरी (एमएमपीआई-2) में निम्न है:

1. Above 400 items / 400 आइटम से अधिक

2. Above 500 items / 500 आइटम से अधिक

3. Below 500 items / 500 आइटम से कम

4. Below 300 items / 300 आइटम से कम

Correct Answer :-

- Above 500 items / 500 आइटम से अधिक

---

15) In which of Piaget's substages of sensorimotor stage to children repeat pleasurable actions that first occurred by chance? / पियाजे की संवेदात्मक गामक अवस्था (संवेदी पेशीय अवस्था) की किस उपअवस्था में बच्चे आनंददायक कार्यों को दोहराते हैं जो पहली बार संयोग से हुए थे?

1. Primary circular reactions / प्राथमिक वृत्तीय अनुक्रियाएं

2. Secondary circular reactions / गौण वृत्तीय अनुक्रियाएं

3. Use of reflexes / सहज क्रियाओं का प्रयोग

4. Mental combinations / मानसिक सम्मिश्रण

Correct Answer :-

- Primary circular reactions / प्राथमिक वृत्तीय अनुक्रियाएं

---

16) What have the children developed when they are aware of their own mental processes? / बच्चे अपने में क्या विकसित करते हैं जब वह अपनी मानसिक प्रक्रियाओं से अवगत होते हैं?

1. Metalinguistic abilities / अधिभाषाई क्षमताएं (मेटालिंग्वीस्टिक एबीलिटी)

2. Metacognition / अधिसंज्ञान (मेटाकॉग्नीशिन)

3. Meta-awareness / अधिजागरूकता (मेटा-अवेयरनेस)

4. Metamorphosis / कायान्तरण (मेटामॉर्फसिस)

Correct Answer :-

- Metacognition / अधिसंज्ञान (मेटाकॉग्नीशिन)

---

17) What is the smallest unit in the writing system?/ लेखन प्रणाली में सबसे छोटी इकाई क्या है?

1. Nouns / संज्ञा

2. Verbs / क्रिया

3. Phonemes / स्वनिम (फोनेम)

4. Graphemes / वर्णिम (ग्राफेम्स)

Correct Answer :-

- Graphemes / वर्णिम (ग्राफेम्स)

---

18) What cognitive principle does a child possess when she understands that the amount of clay in a 2cm ball remains the same whether the ball is flattened or made into a stick? / एक बच्चा कौन सा संज्ञानात्मक सिद्धांत प्राप्त कर लेता है, जब वह इसे समझने में सक्षम होता है कि 2 सेमी वाले एक गेंद में मिट्टी (क्ले) की मात्रा समान रहती है चाहें गेंद को चपटा किया जाए या उसे छड़ी के रूप में ढाला जाए?

1. Conservation / संरक्षण

2. Volume / आयतन

3. Hypothesis / परिकल्पना

4. Irreversibility / अनुत्क्रमणीयता

Correct Answer :-

- Conservation / संरक्षण

---

19) **What are the characteristics of scientific inquiry?/ वैज्ञानिक जाँच की विशेषताएँ क्या होती हैं?**

1. All of the above/ उपरोक्त सभी

2. Learner engages in scientifically oriented questions only./ शिक्षार्थी वैज्ञानिक रूप से केवल उन्मुख प्रश्नों में संलग्न होते हैं।

3. Learner gives priority to evidence only. / शिक्षार्थी केवल साक्ष्य को प्राथमिकता देते हैं।

4. Learner formulates explanation from evidence only./ शिक्षार्थी केवल साक्ष्य से स्पष्टीकरण तैयार करता है।

Correct Answer :-

- All of the above/ उपरोक्त सभी

---

20) **Children who come from homes with good parent- child relationships tend to be _____. / जिन घरों में माता-पिता और बच्चों का संबंध अच्छा होता है वो बच्चे ______ होते हैं।**

1. Intolerant of others / दूसरों के प्रति असहिष्णु

2. Impulsive / आवेगी (इम्पल्सिव)

3. Posses weak intellectual control / कमजोर बौद्धिक नियंत्रण प्राप्त

4. Successful in social participation / सामाजिक भागीदारी में सफल

Correct Answer :-

- Successful in social participation / सामाजिक भागीदारी में सफल

---

21) **Kohler's insightful learning proved that learning is ____. / कोहलर के अंतर्दृष्टि अधिगम ने सिद्ध किया कि अधिगम ________ है।**

1. an autonomous random activity / एक स्वायत्त यादृच्छिक गतिविधि

2. an event of trial an error / प्रयत्न और त्रुटि की एक घटना

3. a new perception of the total situation / संपूर्ण स्थिति की एक नई अनुभूति

4. a connection between stimulus and response / उत्तेजना और प्रतिक्रिया के बीच एक संबंध

Correct Answer :-

- a new perception of the total situation / संपूर्ण स्थिति की एक नई अनुभूति

---

22) **Vygotsky places considerably more emphasis on _________ factors contributing to cognitive development./ वाइगोत्सकी ने _________ कारकों पर बहुत अधिक जोर दिया है जो संज्ञानात्मक विकास में योगदान करते हैं।**

1. Personal / व्यक्तिगत

2. Social / सामाजिक

3. Emotional/ भावनात्मक

4. Cognitive/ संज्ञानात्मक

Correct Answer :-

- Social / सामाजिक

---

23) **According to Piaget, what method of processing information helps in the creation of schemas? / पियाजे के अनुसार, सूचना प्रक्रियाकरण की कौन-सी विधि अन्विति योजना (स्कीमा) के निर्माण में मदद करती है?**

1. Questioning / पूछताछ (क्वेशनिंग

2. Motivation / अभिप्रेरणा (मोटिवेशन)

3. Deliberation / विचार विमर्श (डेलिबिरेशन)

4. Accommodation / समंजन (एकोमोडेशन)

Correct Answer :-

- Accommodation / समंजन (एकोमोडेशन)

---

24) Maslow's five-stage model is in the shape of a / मास्लो के पांच-अवस्था मॉडल एक ______ के आकार में है।

1. Pyramid / पिरामिड
2. Square / वर्ग
3. Rectangle / आयत
4. Circle / वृत्त

Correct Answer :-

- Pyramid / पिरामिड

---

25) Ankit cheats on his exams and ends up failing in his final assessment. This can be attributed to his: / अंकित परीक्षा में चोरी करता है और अपने अंतिम आकलन में असफल हो जाता है। इसके लिए उसके इस कारण को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है:

1. Lack of parental involvement / माता-पिता के सहभागिता का अभाव
2. Poor reading comprehension / मंद पठन की अवधारणा
3. Lack of self-esteem / आत्म-सम्मान की कमी
4. Dependence on others / दूसरों पर निर्भरता

Correct Answer :-

- Dependence on others / दूसरों पर निर्भरता

---

26) According to the _____ theory, men and women are different and unchangeable due to their intrinsic differences between the sexes. / _____ सिद्धांत के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं के लिंगों के बीच आंतरिक अंतर के कारण अलग और अपरिवर्तनीय हैं।

1. Social constructionism / सामाजिक निर्माणवाद (सोशल कंस्ट्रक्शनिज्म)
2. Intersectionality / अंतरानुभागीय (इंटरसेक्शनलिटी)
3. Gender Essentialism / लिंग अनिवार्यता
4. Gender performativity / लिंग प्रदर्शन

Correct Answer :-

- Gender Essentialism / लिंग अनिवार्यता

---

27) The learning style that is greatly associated with activity is: / गतिविधि के साथ बहुत कुछ सीखने की शैली है:

1. Visual / दृश्य
2. Verbal / मौखिक
3. Kinesthetic / काइनस्थेटिक
4. Auditory / श्रवण

Correct Answer :-

- Kinesthetic / काइनस्थेटिक

---

28) Which of the following is not true about constructive teaching approaches? / निम्नलिखित में से कौन रचनात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के बारे में सत्य नहीं है?

1. It allows the teacher to focus on important and relevant information. / यह शिक्षक को महत्वपूर्ण और प्रासंगिक जानकारी पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है
2. Students learn to value the opinions of each other. / छात्र एक दूसरे के मत को महत्व देना सीखते हैं।
3. It helps to customize the curriculum to each student. / यह प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम को रूचि के अनुसार बनाने में मदद करता है।
4. Discussions on the thoughts and ideas of a student are used. / एक छात्र के सोच और विचारों पर चर्चा का उपयोग किया जाता है।

Correct Answer :-

- It helps to customize the curriculum to each student. / यह प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम को रूचि के अनुसार बनाने में मदद करता है।

29) Erikson, a follower of Freud's synthesized both Freud's and his own theories to create ________ stages of human development, which span from birth to death. / फ्रायड के अनुयायी एरिकसन ने, फ्रायड और उसके स्वयं के सिद्धांतों को मानव विकास के _________ अवस्थाओं को बनाने के लिए संश्लेषित किया, जो जन्म से मृत्यु तक होती हैं।

1. Ethological / इथोलॉजिकल
2. Epistemological / ज्ञानमीमांसीय
3. Psychosocial / मनोसामाजिक
4. Conventional/ परम्परागत

Correct Answer :-

- Psychosocial / मनोसामाजिक

30) Children should start developing cognitive abilities before they can experience / बच्चों को __________ का अनुभव कर सकने से पहले, संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करना शुरू कर देना चाहिए।

1. Fear / डर
2. Embarrassment / झिझक
3. Anger / गुस्सा
4. Disgust / घृणा

Correct Answer :-

- Embarrassment / झिझक

Topic:- General Hindi (L1GH)

1) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते स्नेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में,
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'उपलों' शब्द का क्या अर्थ है?

1. इनमें से कोई नहीं
2. गोबर के उपले
3. उपलाई हुई नदी
4. किनारों से

Correct Answer :-

- किनारों से

---

2) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'अपने पतझर के सपनों का मैं जग को गीत सुनाता' ऐसी किसकी आकांक्षा है?

1. नदी की

2. शुक की

3. गुलाब की

4. शुकी की

Correct Answer :-

- गुलाब की

---

3) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'गाता शुक जब किरण वसंती छूती अंग पर्ण से छनकर' इसका संबंध किससे है?

1. वसंत ऋतु के वर्णन से

2. प्रेमी-प्रेमिका संवाद से

3. शुक-शुकी के प्रेम वर्णन से

4. किसी से नहीं

Correct Answer :-

- शुक-शुकी के प्रेम वर्णन से

---

4) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'गीत अगीत' का केंद्रीय भाव क्या है?

1. उपर्युक्त तीनों

2. इसमें केवल तुलना प्रकृति में छिपे अनेक सौंदर्य के सहारे की गई है।

3. इसमें केवल मुखर और छपी भावनाओं की तुलना है।

4. केवल नदी की तुलना गुलाब के मौन से की गई है

Correct Answer :-

- उपर्युक्त तीनों

---

5) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: नदी किससे बातें करते हुए बह रही है?

1. विधाता से

2. गुलाब से

3. शुक-शुकी से

4. किनारों से

Correct Answer :-

- किनारों से

---

6) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते स्नेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में,
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब
बड़े साँझ आल्हा गाता है,
पहला स्वर उसकी राधा को
घर से यहाँ खींच लाता है।
चोरी-चोरी खड़ी नीम की
छाया में छिपकर सुनती है,
'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना', यों मन में गुनती है।
वह गाता, पर किसी वेग से
फूल रहा इसका अंतर है।
गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: जब हमारी भावना होठों पर लयबद्ध तरीके से बाहर आती है तो उसे क्या कहते हैं?

1. निबंध
2. गीत
3. कहानी
4. कविता

Correct Answer :-

- गीत

---

7) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: जब कोई भावना अंदर ही रहती है तो उसे क्या कहते हैं?

1. स्वगीत
2. संगीत
3. वृंदगान
4. अगीत

Correct Answer :-

- अगीत

---

8) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इस कविता में प्रयुक्त 'आल्हा' शब्द का क्या अर्थ है?

1. एक नदी का नाम
2. एक चिड़िया का नाम
3. एक लोक-काव्य का नाम है
4. एक गुलाब का नाम

Correct Answer :-

- एक लोक-काव्य का नाम है

---

9) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते स्नेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में,
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब
बड़े साँझ आल्हा गाता है,
पहला स्वर उसकी राधा को
घर से यहाँ खींच लाता है।
चोरी-चोरी खड़ी नीम की
छाया में छिपकर सुनती है,
'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना', यों मन में गुनती है।
वह गाता, पर किसी वेग से
फूल रहा इसका अंतर है।
गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कवि पहली ही पंक्ति में क्या सवाल करता है?

1. इनमें से कोई नहीं
2. गीत विरह की तटिनी है
3. नदी बहुत वेगवती है
4. गीत अधिक सुंदर हैं कि अगीत

Correct Answer :-

- गीत अधिक सुंदर हैं कि अगीत

---

10) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
गाकर गीत विरह की तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?
बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते पर छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कवि ने 'तटिनी' किसे कहा है?

1. तटों के बीच बहने वाली नदी को
2. प्रेमिल जोड़े को
3. शुक-शुकी को
4. किसी को नहीं

Correct Answer :-

- तटों के बीच बहने वाली नदी को

---

11) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसे भगवान ने बोलने की शक्ति नहीं दी?

1. नदी किनारे खिले गुलाब को

2. तेज धार बहती नदी को

3. कीड़े-मकोड़े को

4. घास खाती हुई गायों को

Correct Answer :-

- नदी किनारे खिले गुलाब को

---

12) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: पशु पक्षियों का किसके साथ बहुत गहरा संबंध है?

1. शिकारियों के

2. जानवरों के

3. शेर के

4. प्रकृति के

Correct Answer :-

- प्रकृति के

---

13) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: अगीत भी गीत बनकर कब स्फुटित होता है?

1. कभी-कभी

2. शाम के समय

3. प्रायः

4. मिलन यामिनी में

Correct Answer :-

- कभी-कभी

14) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: प्रेमी जब गीत गाता है, तो प्रेमिका की क्या इच्छा होती है?

1. सो जाने की

2. चुपचाप सुनने की

3. वह उस गीत का एक हिस्सा बन जाए

4. घर जाने की

Correct Answer :-

- वह उस गीत का एक हिस्सा बन जाए

15) गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

गाकर गीत विरह की तटिनी

वेगवती बहती जाती है,

दिल हलका कर लेने को

उपलों से कुछ कहती जाती है।

तट पर एक गुलाब सोचता,

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,

अपने पतझर के सपनों का

मैं भी जग को गीत सुनाता।"

गा-गाकर बह रही निर्झरी,

पाटल मूक खड़ा तट पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

बैठा शुक उस घनी डाल पर

जो खोंते पर छाया देती।

पंख फुला नीचे खोंते में

शुकी बैठ अंडे है सेती।

गाता शुक जब किरण वसंती

छूती अंग पर्ण से छनकर।

किंतु, शुकी के गीत उमड़कर

रह जाते स्नेह में सनकर।

गूँज रहा शुक का स्वर वन में,

फूला मग्न शुकी का पर है।

गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब

बड़े साँझ आल्हा गाता है,

पहला स्वर उसकी राधा को

घर से यहाँ खींच लाता है।

चोरी-चोरी खड़ी नीम की

छाया में छिपकर सुनती है,

'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की

बिधना', यों मन में गुनती है।

वह गाता, पर किसी वेग से

फूल रहा इसका अंतर है।

गीत, अगीत, कौन सुन्दर है?

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मनुष्य को भिन्न रूपों में क्या आंदोलित करती है?

1. कला

2. संगीत

3. प्रकृति

4. नृत्य

Correct Answer :-

- प्रकृति

16) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कहाँ के लोगों को सरकार ने आश्वस्त किया है?

1. ढाही

2. शहर

3. नगर

4. गाँव

Correct Answer :-

- ढाही

---

17) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर कौन रहता है?

1. लेखक

2. बनारसी

3. पुरुषोत्तम

4. बलिया

Correct Answer :-

- बलिया

---

18) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसका जनपदीय स्वाभिमान लेखक को ठीक लगता है?

1. पुत्र का

2. पिता का

3. पुरुषोत्तम का

4. सर्वोत्तम का

Correct Answer :-

- पुरुषोत्तम का

---

19) **मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।**

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किस चीज़ की सुविधा से लोग टी.वी. सेट से बँध जाएंगे?

1. फ्री इंटरनेट

2. बिजली

3. पक्के मकान

4. डिश टीवी

Correct Answer :-

- बिजली

---

20) **मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।**

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: बिजली की सुविधा किसकी सामाजिकता को मार देगी?

1. खेत-खलिहान

2. चौपाल-अलाव

3. अनाज-पानी

4. खेत-बधार

Correct Answer :-

- चौपाल-अलाव

---

21) **मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट**

जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: बकौल लेखक, बबूल-बाँस को अब कहाँ खेद दिया जाएगा?

1. वन में

2. घर में

3. नदी में

4. खेत में

Correct Answer :-

- वन में

---

22) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मेरे ग्रामांचल में इधर क्या बहुत तेज़ी से चल रहा है?

1. निर्माण-कार्य

2. घरेलू कार्य

3. मांगलिक कार्य

4. कृषि-कार्य

Correct Answer :-

- निर्माण-कार्य

---

23) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते मेरे ग्रामांचल का क्या पूरी तरह बदल जाएगा?

1. चेहरा-चरित्र

2. चाल-ढाल

3. हाल-चाल

4. खैरियत

Correct Answer :-

- चेहरा-चरित्र

---

24) **मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।**

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: गाँव वालों का कहाँ से मन उचट रहा है?

1. बनारस से

2. दिल्ली से

3. कोलकाता से

4. गाँव से

Correct Answer :-

- गाँव से

---

25) **मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।**

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: बलिया का क्या बहुत तेज़ और क्या बहुत जरख़ेज है?

1. फूल, पत्ती

2. दाल, चावल

3. अन्न, फल

4. पानी, माटी

Correct Answer :-

- पानी, माटी

---

26) **मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।**

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के

पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किन्होंने बागी बलिया की प्रशंसा की है?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. दूधनाथ सिंह

3. विष्णुकांत शास्त्री

4. महापंडित राहुल जी

Correct Answer :-

- महापंडित राहुल जी

---

27) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: नीम-पाकड़ को काटकर अब हर दरवाज़े पर क्या रोपी जाएगी?

1. चंपा-चमेली

2. जूही-कामिनी

3. शीशम-बबूल

4. बेला-गुलाब

Correct Answer :-

- जूही-कामिनी

---

28) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: छप्परोंवाली ढाही का इलाका कैसे मकानों से समृद्ध होता जा रहा है?

1. पूर्ण रूप से बने

2. पक्के

3. कच्चे

4. अधबने

Correct Answer :-

- पक्के

29) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: गाँवों में अब किस डिजाइन के घर बनने लगे हैं?

1. शहरी
2. वास्तु आधारित
3. देहाती
4. महानगरीय

Correct Answer :-

- शहरी

30) मेरे ग्रामांचल में इधर निर्माण-कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है। छप्परोंवाली ढाही का इलाका पक्के मकानों से समृद्ध होता जा रहा है। लगता है, ढाही के लोगों को सरकार ने आश्वस्त कर दिया है कि गंगा के रूद्र रूप का मुकाबला करने में वह पूरी तरह सक्षम है, ढाही कुछ बिगाड़ नहीं सकती, और शहरी डिजाइन के घर बनने लगे हैं। गाँव का चेहरा बदल रहा है, शोभा निखर रही है। झूठे लोग शिकायत करते हैं कि गाँववालों का गाँव से मन उचट रहा है। साफ दीख रहा है कि झोंपड़ी और माटी के घरों को ढाहकर लोग पक्का मकान बना रहे हैं, उसे नागर शैली में सजा-सँवार रहे हैं। जिस तेज रफ्तार से मेरे ग्रामांचल की रुचि बदल रही है, लागता है नीम-पाकड़ को काटकर हर दरवाजे पर अब जूही-कामिनी रोपी जाएगी, बबूल-बाँस को वन में खेद दिया जाएगा। नागर रुचि की गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ती जाएगी। अपने नफीस घरों की हिफाजत में लोग अपने-अपने घरों में सिमट जाएँगे। बिजली की सुविधा चौपाल-अलाव की सामाजिकता को मार देगी, अपने-अपने टी.वी. सेट से लोग बँध जाएँगे। इक्कीसवीं सदी के पहुँचते-पहुँचते, लगता है, मेरे ग्रामांचल का चेहरा-चरित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

मेरे जनपद के गंगा तटीय गाँव का मेरा विद्यार्थी पुरुषोत्तम बताता है कि बलिया का पानी बड़ा तेज है, माटी जरखेज है। राष्ट्रीय मसलों पर अगुआ की भूमिका पर रहता है बलिया। पुरुषोत्तम के धरती-स्वाभिमान पर मैं लाठी चलाना नहीं चाहता। किंतु सामाजिक विकृति से क्षत हो रही चारित्रिक संपदा के बारे में जब सवाल उठाता हूँ, पुरुषोत्तम मेरा मुँह ताकने लगता है, तथापि उसका जनपदीय स्वाभिमान मुझे ठीक लगता है। अपने हिसाब से वह ठीक ही सोच रहा है। राहुलजी जैसे महापंडित ने बागी बलिया की प्रशंसा की है। सन 1942 के जातीय आंदोलन के पन्ने बाँच-बाँचकर नई पीढ़ी गर्व-स्फूर्त है, तो मन में आश्वास-बोध जगता है कि अपनी विरासत के प्रति लोग सजग हैं। पुरुषोत्तम खुश है कि मड़ई-छप्परवाले ढाही के गाँव सँवर रहे हैं। ताबड़तोड़ उठने वाले पक्के मकान मेरे जवार की समृद्धि का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं। दहेज-दैत्य का समृद्ध होता आतंक और गाँव-गाँव में चलनेवाले अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बढ़ती भीड़ गाँव की नई करवट की सूचना दे रही है कि जल्दी से जल्दी आधुनिक बन जाने को गाँव व्याकुल हो उठे हैं कि नए-नए मादक द्रव्यों से मेरे अंचल की तरुणाई का परिचय हो रहा है, और नई-नई पक्की सड़कें क्षीर के बड़े-बड़े पात्रों को बात की बात में शहरों में पहुँचाने लगी हैं। बेशक नई रोशनी का ढाही के गाँवों में प्रवेश हो गया है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसकी गिरफ्त में उलझते, गँवई आदमी में प्रकृति-परिसर के प्रति अरुचि बढ़ जाएगी?

1. गागर रुचि
2. नागर रुचि
3. सबसे अरूचि
4. सागर रूचि

Correct Answer :-

- नागर रुचि

Topic:- General Sanskrit(L2GS)

1)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

कुर्वीत सङ्गतं सद्भिर्नासद्भिर्गुणवर्जितैः ।
प्राप राघवसङ्गत्या प्राज्यं राज्यं विभीषणः ॥

जराग्रहणतुष्टेन निजयौवनदः सुतः ।
कृतः कनीयान् प्रणतश्चक्रवर्ती ययातिना ॥

'जराग्रहणतुष्टः' अयमस्ति -

1. सुतः
2. ययातिः
3. चक्रवर्ती
4. राघवः

Correct Answer :-

- ययातिः

---

2)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

न त्यजेद् धर्ममर्यादामपि क्लेषदशां श्रितः ।
हरिश्चन्द्रः हि धर्मार्थी सेहे चाण्डालदासताम् ।

न सत्यव्रतभङ्गेन कार्यं धीमान् प्रसाधयेत् ।
ददर्श नरकक्लेशं सत्यनाशाद् युधिष्ठिरः ॥

ईदृशः हरिश्चन्द्रः चाण्डालदासतां सेहे -

1. विद्यार्थी
2. धर्मार्थी
3. सुखार्थी

4. धनार्थी

Correct Answer :-

- धर्मार्थी

3)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

समूहमाध्यमेषु वार्तापत्रिकाः अपि प्रमुखाः सन्ति । मानवस्य प्रगतये समाचारपत्राणि आवश्यकानि भवन्ति । प्रादेशिकभाषासु, राष्ट्रभाषासु च अनेकानि समाचारपत्राणि विद्यन्ते । दैनिक-पाक्षिक-मासिकसमाचारपत्राणि सन्ति । कर्णाटकभाषायां प्रजावाणी, विजयकर्नाटक, कन्नडप्रभा इत्याद्याः दैनिकवार्तापत्रिकाः विद्यन्ते । एवं संस्कृते सुधर्म इति दिनपत्रिका, सम्भाषणसन्देशः, चन्दमामा, मयूरः इत्याद्याः मासिकपत्रिकाः सन्ति । समाचारपत्रेषु वार्ताविषयाः, सांस्कृतिक-सामाजिक-वैज्ञानिक-क्रीडाविषयाः च भवन्ति । प्रतिदिनं शिक्षण-वाणिज्य-क्रीडा, चलच्चित्रसम्बन्धिन्यः पुरवण्यः अपि भवन्ति । तथैव छात्राणां प्रगतये पाठ्यसम्बन्धिविषयाः च प्रकटीक्रियन्ते । सामान्यजनाः अपि गृहे वा सार्वजनिकग्रन्थालये उपविश्य विशदरूपेण पठितुं संरक्षितुञ्च साध्यं वार्तापत्रिकां पठितुं प्रभवन्ति । वार्तापत्रिकायाः पठनेन सामान्यज्ञानं वर्धते । जगतः विविधक्षेत्रस्य विषयान् विचारान् च सविस्तारं ज्ञातुं स्वाभिप्रायञ्च प्रकटयितुम् उत्तमं माध्यमं समाचारपत्रम् । एवं जनान् परस्परं समीपमानयति समाचारपत्रिका ।

केषां कृते पाठ्यसम्बन्धिविषयाः भवन्ति ?

1. विद्यार्थिनाम्
2. जनानाम्
3. महिलानाम्
4. वृद्धानाम्

Correct Answer :-

- विद्यार्थिनाम्

4)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

कुर्वीत सङ्गतं सद्भिर्नासद्भिर्गुणवर्जितैः ।
प्राप राघवसङ्गत्या प्राज्यं राज्यं विभीषणः ॥

जराग्रहणतुष्टेन निजयौवनदः सुतः ।
कृतः कनीयान् प्रणतश्चक्रवर्ती ययातिना ॥

गुणवर्जितैः असद्भिः इदं न कुर्यात्-

1. आदरं
2. भोजनम्
3. सङ्गं
4. मैत्रीं

Correct Answer :-

- सङ्गं

---

5)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

कुर्वीत सङ्गतं सद्भिर्नासद्भिर्गुणवर्जितैः ।
प्राप राघवसङ्गत्या प्राज्यं राज्यं विभीषणः ॥

जराग्रहणतुष्टेन निजयौवनदः सुतः ।
कृतः कनीयान् प्रणतश्चक्रवर्ती ययातिना ॥

“प्राप” इति पदस्य सन्धिरस्ति -

1. दीर्घ:
2. अयादि:
3. वृद्धि:

4. गुण:

Correct Answer :-

- दीर्घ:

6) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

न त्यजेद् धर्ममर्यादामपि क्लेषदशां श्रितः ।
हरिश्चन्द्रः हि धर्मार्थी सेहे चाण्डालदासताम् ।

न सत्यव्रतभङ्गेन कार्यं धीमान् प्रसाधयेत् ।
ददर्श नरकक्लेशं सत्यनाशाद् युधिष्ठिरः ॥

इदं कार्यसाधनस्य मार्गं न भवेत् -

1. सत्यव्रतभङ्गः
2. श्रद्धा
3. आशात्यागः
4. धीमतः कार्यम्

Correct Answer :-

- सत्यव्रतभङ्गः

7)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

समूहमाध्यमेषु वार्तापत्रिकाः अपि प्रमुखाः सन्ति । मानवस्य प्रगतये समाचारपत्राणि आवश्यकानि भवन्ति । प्रादेशिकभाषासु, राष्ट्रभाषासु च अनेकानि समाचारपत्राणि विद्यन्ते । दैनिक-पाक्षिक-मासिकसमाचारपत्राणि सन्ति । कर्णाटकभाषायां प्रजावाणी, विजयकर्नाटक, कन्नडप्रभा इत्याद्याः दैनिकवार्तापत्रिकाः विद्यन्ते । एवं संस्कृते सुधर्म इति दिनपत्रिका, सम्भाषणसन्देशः, चन्दमामा, मयूरः इत्याद्याः मासिकपत्रिकाः सन्ति । समाचारपत्रेषु वार्ताविषयाः, सांस्कृतिक-सामाजिक-वैज्ञानिक-क्रीडाविषयाः च भवन्ति । प्रतिदिनं शिक्षण-वाणिज्य-क्रीडा, चलच्चित्रसम्बन्धिन्यः पुरवण्यः अपि भवन्ति । तथैव छात्राणां प्रगतये पाठ्यसम्बन्धिविषयाः च प्रकटीक्रियन्ते । सामान्यजनाः अपि गृहे वा सार्वजनिकग्रन्थालये उपविश्य विशदरूपेण पठितुं संरक्षितुञ्च साध्यं वार्तापत्रिकां पठितुं प्रभवन्ति । वार्तापत्रिकायाः पठनेन सामान्यज्ञानं वर्धते । जगतः विविधक्षेत्रस्य विषयान् विचारान् च सविस्तारं ज्ञातुं स्वाभिप्रायञ्च प्रकटयितुम् उत्तमं माध्यमं समाचारपत्रम् । एवं जनान् परस्परं समीपमानयति समाचारपत्रिका ।

'सामान्यजनाः' अत्र अयं समासः -

1. नञ्-तत्पुरुषः
2. द्विगुः
3. कर्मधारयः
4. बहुव्रीहिः

Correct Answer :-

- कर्मधारयः

8)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

न त्यजेद् धर्ममर्यादामपि क्लेषदशां श्रितः ।
हरिश्चन्द्रः हि धर्मार्थी सेहे चाण्डालदासताम् ।

न सत्यव्रतभङ्गेन कार्यं धीमान् प्रसाधयेत् ।
ददर्श नरकक्लेशं सत्यनाशाद् युधिष्ठिरः ॥

सत्यनाशात् युधिष्ठिरः इदं ददर्श -

1. इन्द्रपदवीम्
2. धनलाभं
3. नरकदुःखं
4. स्वर्गसुखं

Correct Answer :-

- नरकदुःखं

9)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मनुष्यस्य जीवने सर्वदा बलमेव कार्यहेतुः न भवति । उपायः अपि कदाचित् कार्यसाधकः भवति । अस्य अत्युत्तमम् उदाहरणं भवति चाणक्यः । चाणक्यः स्वयुक्त्या एव बलशालिनः नन्दान् नाशयामास । नीतिकथा अपि एतमेवार्थं समर्थयति । पञ्चतन्त्रस्य बह्व्यः कथाः
"उपायेन कथं सफलता प्राप्यते" इति बहुसुन्दररूपेण वर्णयन्ति । तत्र काकः एवं शृगालः च एतदर्थमेव प्रसिद्धः अस्ति । अद्यतनदिने उपायमेव किञ्चित् परिवर्तनं कृत्वा जनाः 'स्मार्ट् वर्क्' इति कथयन्ति । यदा कार्यं कञ्चिदुपायान्तरं उपयुज्य झटिति क्रीयते चेत् तदेव स्मार्ट् वर्क इति कथ्यते यत्र दैहिकश्रमः न्यूनः भवति किन्तु बुद्धेरुपयोगः अधिकः भवति । एतादृशी एव भवति इयं कथा या बहुप्रसिद्धा वर्तते । अथ कदाचित् तृषार्तः कोऽपि वायसः जलं प्राप्तुं सुचिरम् अभ्रमत । परं सः काकः न कुत्रापि उदकं प्राप्तवान् । ततः शुष्कवदनः परिश्रान्तः चासौ प्राप्तवान् किमपि उद्यानम् । तत्र हि भाग्येन दृष्टवान् जलकुम्भम् । उपविश्य च तस्योपान्ते जलं पातुम् अयतत । किन्तु उदकं तस्मिन् घटे स्वल्पम् आसीत् । तस्मात् जलं प्रति चञ्चुं नेतुं सः नाशक्नोत् । तदा सः उपायं कृतवान् । सः घटे उपलानि चञ्च्वा उद्धृत्य अक्षिपत् । शीघ्रमेव जलम् उपरि आगच्छत् । तदा परितुष्टः सः भृशं जलम् अपिबत् ।

जलं प्राप्तुं कः अभ्रमत् ?

1. बल्लूकः
2. पिकः
3. मयूरः
4. काकः

Correct Answer :-

- काकः

10)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मनुष्यस्य जीवने सर्वदा बलमेव कार्यहेतुः न भवति । उपायः अपि कदाचित् कार्यसाधकः भवति । अस्य अत्युत्तमम् उदाहरणं भवति चाणक्यः । चाणक्यः स्वयुक्त्या एव बलशालिनः नन्दान् नाशयामास । नीतिकथा अपि एतमेवार्थं समर्थयति । पञ्चतन्त्रस्य बह्व्यः कथाः
"उपायेन कथं सफलता प्राप्यते" इति बहुसुन्दररूपेण वर्णयन्ति । तत्र काकः एवं शृगालः च एतदर्थमेव प्रसिद्धः अस्ति । अद्यतनदिने उपायमेव किञ्चित् परिवर्तनं कृत्वा जनाः 'स्मार्ट् वर्क्' इति कथयन्ति । यदा कार्यं कञ्चिदुपायान्तरं उपयुज्य झटिति क्रीयते चेत् तदेव स्मार्ट् वर्क इति कथ्यते यत्र दैहिकश्रमः न्यूनः भवति किन्तु बुद्धेरुपयोगः अधिकः भवति । एतादृशी एव भवति इयं कथा या बहुप्रसिद्धा वर्तते । अथ कदाचित् तृषार्तः कोऽपि वायसः जलं प्राप्तुं सुचिरम् अभ्रमत । परं सः काकः न कुत्रापि उदकं प्राप्तवान् । ततः शुष्कवदनः परिश्रान्तः चासौ प्राप्तवान् किमपि उद्यानम् । तत्र हि भाग्येन दृष्टवान् जलकुम्भम् । उपविश्य च तस्योपान्ते जलं पातुम् अयतत । किन्तु उदकं तस्मिन् घटे स्वल्पम् आसीत् । तस्मात् जलं प्रति चञ्चुं नेतुं सः नाशक्नोत् । तदा सः उपायं कृतवान् । सः घटे उपलानि चञ्च्वा उद्धृत्य अक्षिपत् । शीघ्रमेव जलम् उपरि आगच्छत् । तदा परितुष्टः सः भृशं जलम् अपिबत् ।

परितुष्टः काकः किम् अपिबत् ?

1. रसं
2. दधि
3. जलम्
4. तक्रम्

Correct Answer :-

- जलम्

11)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

समूहमाध्यमेषु वार्तापत्रिकाः अपि प्रमुखाः सन्ति । मानवस्य प्रगतये समाचारपत्राणि आवश्यकानि भवन्ति । प्रादेशिकभाषासु, राष्ट्रभाषासु च अनेकानि समाचारपत्राणि विद्यन्ते । दैनिक-पाक्षिक-मासिकसमाचारपत्राणि सन्ति । कर्णाटकभाषायां प्रजावाणी, विजयकर्नाटक, कन्नडप्रभा इत्याद्याः दैनिकवार्तापत्रिकाः विद्यन्ते । एवं संस्कृते सुधर्म इति दिनपत्रिका, सम्भाषणसन्देशः, चन्दमामा, मयूरः इत्याद्याः मासिकपत्रिकाः सन्ति । समाचारपत्रेषु वार्ताविषयाः, सांस्कृतिक-सामाजिक-वैज्ञानिक-क्रीडाविषयाः च भवन्ति । प्रतिदिनं शिक्षण-वाणिज्य-क्रीडा, चलच्चित्रसम्बन्धिन्यः पुरवण्यः अपि भवन्ति । तथैव छात्राणां प्रगतये पाठ्यसम्बन्धिविषयाः च प्रकटीक्रियन्ते । सामान्यजनाः अपि गृहे वा सार्वजनिकग्रन्थालये उपविश्य विशदरूपेण पठितुं संरक्षितुञ्च साध्यं वार्तापत्रिकां पठितुं प्रभवन्ति । वार्तापत्रिकायाः पठनेन सामान्यज्ञानं वर्धते । जगतः विविधक्षेत्रस्य विषयान् विचारान् च सविस्तारं ज्ञातुं स्वाभिप्रायञ्च प्रकटयितुम् उत्तमं माध्यमं समाचारपत्रम् । एवं जनान् परस्परं समीपमानयति समाचारपत्रिका ।

मानवस्य प्रगतये कानि आवश्यकानि ?

1. समाचारपत्राणि
2. अन्नानि
3. धनानि
4. फलानि

Correct Answer :-

- समाचारपत्राणि

12)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मनुष्यस्य जीवने सर्वदा बलमेव कार्यहेतुः न भवति । उपायः अपि कदाचित् कार्यसाधकः भवति । अस्य अत्युत्तमम् उदाहरणं भवति चाणक्यः । चाणक्यः स्वयुक्त्या एव बलशालिनः नन्दान् नाशयामास । नीतिकथा अपि एतमेवार्थं समर्थयति । पञ्चतन्त्रस्य बह्व्यः कथाः
"उपायेन कथं सफलता प्राप्यते" इति बहुसुन्दररूपेण वर्णयन्ति । तत्र काकः एवं शृगालः च एतदर्थमेव प्रसिद्धः अस्ति । अद्यतनदिने उपायमेव किञ्चित् परिवर्तनं कृत्वा जनाः 'स्मार्ट् वर्क्' इति कथयन्ति । यदा कार्यं कञ्चिदुपायान्तरं उपयुज्य झटिति क्रीयते चेत् तदेव स्मार्ट् वर्क इति कथ्यते यत्र दैहिकश्रमः न्यूनः भवति किन्तु बुद्धेरुपयोगः अधिकः भवति । एतादृशी एव भवति इयं कथा या बहुप्रसिद्धा वर्तते । अथ कदाचित् तृषार्तः कोऽपि वायसः जलं प्राप्तुं सुचिरम् अभ्रमत । परं सः काकः न कुत्रापि उदकं प्राप्तवान् । ततः शुष्कवदनः परिश्रान्तः चासौ प्राप्तवान् किमपि उद्यानम् । तत्र हि भाग्येन दृष्टवान् जलकुम्भम् । उपविश्य च तस्योपान्ते जलं पातुम् अयतत । किन्तु उदकं तस्मिन् घटे स्वल्पम् आसीत् । तस्मात् जलं प्रति चञ्चुं नेतुं सः नाशक्नोत् । तदा सः उपायं कृतवान् । सः घटे उपलानि चञ्च्वा उद्धृत्य अक्षिपत् । शीघ्रमेव जलम् उपरि आगच्छत् । तदा परितुष्टः सः भृशं जलम् अपिबत् ।

कः नन्दान् नाशयामास ?

1. चाणक्यः
2. चन्द्रगुप्तः
3. बाणः
4. अशोकः

Correct Answer :-

- चाणक्यः

13)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

न त्यजेद् धर्ममर्यादामपि क्लेषदशां श्रितः ।
हरिश्चन्द्रः हि धर्मार्थी सेहे चाण्डालदासताम् ।

न सत्यव्रतभङ्गेन कार्यं धीमान् प्रसाधयेत् ।
ददर्श नरकक्लेशं सत्यनाशाद् युधिष्ठिरः ॥

"श्रितः" इति पदे प्रत्ययः अस्ति -

1. क्तवतु
2. इतः
3. ताः
4. क्तः

Correct Answer :-

. क्तः

14)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

समूहमाध्यमेषु वार्तापत्रिकाः अपि प्रमुखाः सन्ति । मानवस्य प्रगतये समाचारपत्राणि आवश्यकानि भवन्ति । प्रादेशिकभाषासु, राष्ट्रभाषासु च अनेकानि समाचारपत्राणि विद्यन्ते । दैनिक-पाक्षिक-मासिकसमाचारपत्राणि सन्ति । कर्णाटकभाषायां प्रजावाणी, विजयकर्नाटक, कन्नडप्रभा इत्याद्याः दैनिकवार्तापत्रिकाः विद्यन्ते । एवं संस्कृते सुधर्म इति दिनपत्रिका, सम्भाषणसन्देशः, चन्दमामा, मयूरः इत्याद्याः मासिकपत्रिकाः सन्ति । समाचारपत्रेषु वार्ताविषयाः, सांस्कृतिक-सामाजिक-वैज्ञानिक-क्रीडाविषयाः च भवन्ति । प्रतिदिनं शिक्षण-वाणिज्य-क्रीडा, चलच्चित्रसम्बन्धिन्यः पुरवण्यः अपि भवन्ति । तथैव छात्राणां प्रगतये पाठ्यसम्बन्धिविषयाः च प्रकटीक्रियन्ते । सामान्यजनाः अपि गृहे वा सार्वजनिकग्रन्थालये उपविश्य विशदरूपेण पठितुं संरक्षितुञ्च साध्यं वार्तापत्रिकां पठितुं प्रभवन्ति । वार्तापत्रिकायाः पठनेन सामान्यज्ञानं वर्धते । जगतः विविधक्षेत्रस्य विषयान् विचारान् च सविस्तारं ज्ञातुं स्वाभिप्रायञ्च प्रकटयितुम् उत्तमं माध्यमं समाचारपत्रम् । एवं जनान् परस्परं समीपमानयति समाचारपत्रिका ।

संस्कृतदिनपत्रिकायाः नाम किम् ?

1. सुसुष्म्ना
2. सुधर्मा
3. धर्मार्थी
4. सुखार्थी

Correct Answer :-

- सुधर्मा

15)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मनुष्यस्य जीवने सर्वदा बलमेव कार्यहेतुः न भवति । उपायः अपि कदाचित् कार्यसाधकः भवति । अस्य अत्युत्तमम् उदाहरणं भवति चाणक्यः । चाणक्यः स्वयुक्त्या एव बलशालिनः नन्दान् नाशयामास । नीतिकथा अपि एतमेवार्थं समर्थयति । पञ्चतन्त्रस्य बह्व्यः कथाः
"उपायेन कथं सफलता प्राप्यते" इति बहुसुन्दररूपेण वर्णयन्ति । तत्र काकः एवं शृगालः च एतदर्थमेव प्रसिद्धः अस्ति । अद्यतनदिने उपायमेव किञ्चित् परिवर्तनं कृत्वा जनाः 'स्मार्ट् वर्क्' इति कथयन्ति । यदा कार्यं कञ्चिदुपायान्तरं उपयुज्य झटिति क्रीयते चेत् तदेव स्मार्ट् वर्क इति कथ्यते यत्र दैहिकश्रमः न्यूनः भवति किन्तु बुद्धेरुपयोगः अधिकः भवति । एतादृशी एव भवति इयं कथा या बहुप्रसिद्धा वर्तते । अथ कदाचित् तृषार्तः कोऽपि वायसः जलं प्राप्तुं सुचिरम् अभ्रमत । परं सः काकः न कुत्रापि उदकं प्राप्तवान् । ततः शुष्कवदनः परिश्रान्तः चासौ प्राप्तवान् किमपि उद्यानम् । तत्र हि भाग्येन दृष्टवान् जलकुम्भम् । उपविश्य च तस्योपान्ते जलं पातुम् अयतत । किन्तु उदकं तस्मिन् घटे स्वल्पम् आसीत् । तस्मात् जलं प्रति चञ्चुं नेतुं सः नाशक्नोत् । तदा सः उपायं कृतवान् । सः घटे उपलानि चञ्च्वा उद्धृत्य अक्षिपत् । शीघ्रमेव जलम् उपरि आगच्छत् । तदा परितुष्टः सः भृशं जलम् अपिबत् ।

कः कदाचित् कार्यसाधकः भवति ?

1. धनः
2. उपायः
3. अपायः
4. जनः

Correct Answer :-

- उपायः

16)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

मनुष्यस्य जीवने सर्वदा बलमेव कार्यहेतुः न भवति । उपायः अपि कदाचित् कार्यसाधकः भवति । अस्य अत्युत्तमम् उदाहरणं भवति चाणक्यः । चाणक्यः स्वयुक्त्या एव बलशालिनः नन्दान् नाशयामास । नीतिकथा अपि एतमेवार्थं समर्थयति । पञ्चतन्त्रस्य बह्व्यः कथाः
“उपायेन कथं सफलता प्राप्यते” इति बहुसुन्दररूपेण वर्णयन्ति । तत्र काकः एवं शृगालः च एतदर्थमेव प्रसिद्धः अस्ति । अद्यतनदिने उपायमेव किञ्चित् परिवर्तनं कृत्वा जनाः ‘स्मार्ट् वर्क्’ इति कथयन्ति । यदा कार्यं कञ्चिदुपायान्तरं उपयुज्य झटिति क्रीयते चेत् तदेव स्मार्ट् वर्क इति कथ्यते यत्र दैहिकश्रमः न्यूनः भवति किन्तु बुद्धेरुपयोगः अधिकः भवति । एतादृशी एव भवति इयं कथा या बहुप्रसिद्धा वर्तते । अथ कदाचित् तृषार्तः कोऽपि वायसः जलं प्राप्तुं सुचिरम् अभ्रमत । परं सः काकः न कुत्रापि उदकं प्राप्तवान् । ततः शुष्कवदनः परिश्रान्तः चासौ प्राप्तवान् किमपि उद्यानम् । तत्र हि भाग्येन दृष्टवान् जलकुम्भम् । उपविश्य च तस्योपान्ते जलं पातुम् अयतत । किन्तु उदकं तस्मिन् घटे स्वल्पम् आसीत् । तस्मात् जलं प्रति चञ्चुं नेतुं सः नाशक्नोत् । तदा सः उपायं कृतवान् । सः घटे उपलानि चञ्च्वा उद्धृत्य अक्षिपत् । शीघ्रमेव जलम् उपरि आगच्छत् । तदा परितुष्टः सः भृशं जलम् अपिबत् ।

‘परितुष्टः’ पदं विभज्य लिखत ।

1. परि+तुष्+क्तवतु:

2. परि+तुष्+क्त:

3. परि+तुष्+ल्यप्

4. परि+तुष्+शतृ

Correct Answer :-

- परि+तुष्+क्त:

17)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

कुर्वीत सङ्गतं सद्भिर्नासद्भिर्गुणवर्जितैः ।
प्राप राघवसङ्गत्या प्राज्यं राज्यं विभीषणः ॥

जराग्रहणतुष्टेन निजयौवनदः सुतः ।
कृतः कनीयान् प्रणतश्चक्रवर्ती ययातिना ॥

विभीषणः अस्य सङ्गत्या राज्यं प्राप -

1. रावणसङ्गत्या

2. राष्ट्रसङ्गत्या

3. राधेयसङ्गत्या

4. राघवसङ्गत्या

Correct Answer :-

- राघवसङ्गत्या

18)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

समूहमाध्यमेषु वार्तापत्रिकाः अपि प्रमुखाः सन्ति । मानवस्य प्रगतये समाचारपत्राणि आवश्यकानि भवन्ति । प्रादेशिकभाषासु, राष्ट्रभाषासु च अनेकानि समाचारपत्राणि विद्यन्ते । दैनिक-पाक्षिक-मासिकसमाचारपत्राणि सन्ति । कर्णाटकभाषायां प्रजावाणी, विजयकर्नाटक, कन्नडप्रभा इत्यादयाः दैनिकवार्तापत्रिकाः विद्यन्ते । एवं संस्कृते सुधर्म इति दिनपत्रिका, सम्भाषणसन्देशः, चन्दमामा, मयूरः इत्यादयाः मासिकपत्रिकाः सन्ति । समाचारपत्रेषु वार्ताविषयाः, सांस्कृतिक-सामाजिक-वैज्ञानिक-क्रीडाविषयाः च भवन्ति । प्रतिदिनं शिक्षण-वाणिज्य-क्रीडा, चलच्चित्रसम्बन्धिन्यः पुरवण्यः अपि भवन्ति । तथैव छात्राणां प्रगतये पाठ्यसम्बन्धिविषयाः च प्रकटीक्रियन्ते । सामान्यजनाः अपि गृहे वा सार्वजनिकग्रन्थालये उपविश्य विशदरूपेण पठितुं संरक्षितुञ्च साध्यं वार्तापत्रिकां पठितुं प्रभवन्ति । वार्तापत्रिकायाः पठनेन सामान्यज्ञानं वर्धते । जगतः विविधक्षेत्रस्य विषयान् विचारान् च सविस्तारं ज्ञातुं स्वाभिप्रायञ्च प्रकटयितुम् उत्तमं माध्यमं समाचारपत्रम् । एवं जनान् परस्परं समीपमानयति समाचारपत्रिका ।

सामान्यज्ञानं कया वर्धते ?

1. वेदेन
2. पुस्तकेन
3. ग्रन्थेन
4. पत्रिकया

Correct Answer :-

- पत्रिकया

---

19) सौभद्रः कः ?

1. लक्ष्मणः
2. अभिमन्युः
3. मार्ताण्डः
4. जयद्रथः

Correct Answer :-

- अभिमन्युः

20) शत्रुघ्नस्य पत्नी का ?

1. सीता
2. माण्डवी
3. सुदेष्णा
4. श्रुतकीर्तिः

Correct Answer :-

- श्रुतकीर्तिः

21) बृहत्कथायाः भाषा का ?

1. ब्राह्मी
2. प्राकृतम्
3. पाली
4. पैशाची

Correct Answer :-

- पैशाची

22)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

कुर्वीत सङ्गतं सद्भिर्नासद्भिर्गुणवर्जितैः ।
प्राप राघवसङ्गत्या प्राज्यं राज्यं विभीषणः ॥

जराग्रहणतुष्टेन निजयौवनदः सुतः ।
कृतः कनीयान् प्रणतश्चक्रवर्ती ययातिना ॥

अनेन कनीयान् चक्रवर्ती कृतः -

1. एकोऽपि न
2. विभीषणेन
3. जराग्रहणतुष्टेन
4. ययातिना

Correct Answer :-

- ययातिना

23) “दूतघटोत्कचम्” इदं कस्य कृतिः ?

1. बाणस्य
2. भासस्य
3. व्यासस्य
4. कालिदासस्य

Correct Answer :-

- भासस्य

24) त्रयी इति प्रसिद्धाः के ?

1. उपनिषत्
2. ब्राह्मणम्

3. वेदाः

4. संहिता

Correct Answer :-

- वेदाः

---

25) पाणिनिव्याकरणग्रन्थस्य नाम किम् ?

1. अष्टाध्यायी

2. महाभाष्यम्

3. सिद्धान्तकौमुदी

4. लघुसिद्धान्तकौमुदी

Correct Answer :-

- अष्टाध्यायी

---

26) कति दिशः सन्ति ?

1. दश

2. अष्टादश

3. अष्टविंशति

4. नवदश

Correct Answer :-

- दश

---

27) मध्यमव्यायोगे महाभारतस्य कस्य पर्वणः घटना अस्ति ?

1. आदि-पर्वणः

2. सभा-पर्वणः

3. वन-पर्वणः

4. शान्ति-पर्वणः

Correct Answer :-

- वन-पर्वणः

28) पञ्चतन्त्रे एते मानवप्रतिनिधय इव पात्रं निर्वहन्ति -

1. यक्षराक्षसकिन्नरादयः
2. भल्लूकव्याघ्रादयः
3. पशुपक्षिमृगादयः
4. देवदानवादयः

Correct Answer :-

- पशुपक्षिमृगादयः

29) योगशास्त्रप्रवर्तकः कः ?

1. पिङ्गलः
2. भास्करः
3. कणादः
4. पतञ्जलिः

Correct Answer :-

- पतञ्जलिः

30) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

न त्यजेद् धर्ममर्यादामपि क्लेषदशां श्रितः ।
हरिश्चन्द्रः हि धर्मार्थी सेहे चाण्डालदासताम् ।

न सत्यव्रतभङ्गेन कार्यं धीमान् प्रसाधयेत् ।
ददर्श नरकक्लेशं सत्यनाशाद् युधिष्ठिरः ॥

क्लेषदशां श्रितोऽपि एतां न त्यजेत् -

1. धैर्यं

2. विश्वासं

3. धर्ममर्यादां

4. भोजनम्

Correct Answer :-

- धर्ममर्यादां

Topic:- HINDI (HIN)

1) जो बच्चा जितना जल्दी बोलना सीखता है वह उतना ही जल्दी -

1. पढ़ता है
2. लिखता है
3. हँसता है
4. सोचता है

Correct Answer :-

- सोचता है

2) इनमें से भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ हैं -

1. उपरोक्त सभी
2. केवल व्याकरण से सम्बंधित चुनौतियाँ
3. केवल पठन से सम्बंधित चुनौतियाँ
4. केवल लेखन से सम्बंधित चुनौतियाँ

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

3) इनमें से किस छन्द के प्रत्येक चरण में सोलह 16-15 के विराम से 31 वर्ण होते हैं। कहीं–कहीं 8,8,8, और सात वर्णो पर भी यति का विधान माना जाता है। इसका अंतिम वर्ण गुरु होता है।

1. छप्पय छन्द
2. सवैया छन्द
3. घनाक्षरी छन्द
4. कुण्डलिया छन्द

Correct Answer :-

- घनाक्षरी छन्द

4) अर्ध-सरकारी पत्र से क्या तात्पर्य है?

1. एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे सरकारी अधिकारी को लिखा गया औपचारिक पत्र।
2. एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे सरकारी अधिकारी को लिखा गया अनौपचारिक पत्र।
3. एक व्यक्ति द्वारा सरकारी कार्यालय को लिखा गया पत्र।
4. सरकारी कार्यालय द्वारा निजी कंपनी को लिखा गया पत्र।

Correct Answer :-

- एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे सरकारी अधिकारी को लिखा गया अनौपचारिक पत्र।

5) दोहा और रोला छन्द के मिश्रण से कौन सा छन्द बनता है?

1. छप्पय छन्द
2. घनाक्षरी छन्द
3. कुण्डलिया छन्द
4. कवित्त छन्द

Correct Answer :-

- कुण्डलिया छन्द

6) 'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' किसके द्वारा लिखित निबंध है?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
3. जयशंकर प्रसाद
4. रामधारी सिंह दिनकर

Correct Answer :-

- रामधारी सिंह दिनकर

7) 'वह अच्छा आदमी नहीं है।' का विधानवाचक वाक्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

1. वह बुरा आदमी है।
2. वह अच्छा आदमी है।
3. वह ही अच्छा आदमी है।
4. वह ही तो अच्छा आदमी है।

Correct Answer :-

- वह अच्छा आदमी है।

8) 'चरणदास चोर' किसके द्वारा रचित नाटक है?

1. दुष्यंत कुमार
2. हबीब तनवीर
3. विष्णु प्रभाकर
4. मुद्राराक्षस

Correct Answer :-

- हबीब तनवीर

9) 'श्रध्देय गुरुवर' इस संबोधन के आधार पर यह किसके द्वारा किसे लिखा जा रहा पत्र माना जा सकता है?

1. शिक्षक द्वारा प्राचार्य को
2. एक शिक्षक द्वारा दूसरे शिक्षक को
3. छात्रों/छात्र द्वारा शिक्षक को
4. एक कार्यालय द्वारा दूसरे कार्यालय

Correct Answer :-

- छात्रों/छात्र द्वारा शिक्षक को

10) 'किस शैली के अनुसार निबंध में विषय का सरल रीति से विस्तार पूर्वक विवेचन किया जाता है।'

1. व्यास शैली
2. धारा शैली
3. विक्षेप शैली

4. समास शैली

Correct Answer :-

- व्यास शैली

11) 'मेवाती' किस उपभाषा (बोली वर्ग) की बोली है?

1. बिहारी हिंदी
2. राजस्थानी हिंदी
3. पहाड़ी हिंदी
4. छत्तीसगढ़ी हिंदी

Correct Answer :-

- राजस्थानी हिंदी

12) नीचे दिए गए विकल्पों में से किस कवि को 'मैथिल कोकिल' कहा जाता है?

1. बिहारी
2. विद्यापति
3. मीराबाई
4. अमीर खुसरो

Correct Answer :-

- विद्यापति

13) बिना _______ के ज्ञान के संप्रेषण तथा लेखन का विकास संभव नहीं है।

1. व्याकरण
2. इनमें से कोई नहीं
3. अनुवाद
4. ध्वनियों

Correct Answer :-

- व्याकरण

14) भारतीय डाक का पिन नंबर कितने अंकों का होता है?

1. ग्यारह
2. आठ
3. छः
4. सोलह

Correct Answer :-

- छः

15) मौखिक अभिव्यक्ति हेतु व्याकरण की आवश्यकता होती है, ताकि:

1. उपरोक्त सभी
2. केवल बालक भावों को शुद्ध रूप में व्यक्त कर सके।
3. केवल भाषा संबंधी अभिव्यक्ति का विकास हो सके।
4. केवल स्वरों के आरोह-अवरोह एवं बलाघातों को समझ सके।

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

16) पत्र के अंगों का उचित क्रम है?

1. सम्बोधन, प्रारंभ, कलेवर, अंत
2. प्रारंभ, सम्बोधन, अंत, कलेवर,
3. प्रारंभ, सम्बोधन, कलेवर, अंत
4. प्रारंभ, अंत, सम्बोधन, कलेवर,

Correct Answer :-

- प्रारंभ, सम्बोधन, कलेवर, अंत

17) सामाजिक अनौपचारिक पत्र में अपने से बड़ों के लिए निम्न में से कौन-सा निवेदन नहीं उपयोग में लाया जाता है?

1. आपका शिष्य
2. आपका दर्शनाभिलाषी
3. आपका साथी
4. आपका अनुज

Correct Answer :-

- आपका साथी

18) भाषा नियमों द्वारा नियंत्रित _______ का माध्यम भर नहीं है, बल्कि यह हमारी सोच को भी निर्मित करती है।

1. कला
2. संप्रेषण
3. संस्कृति
4. सुंदरता

Correct Answer :-

- संप्रेषण

19) भाषा सीखने के प्रमुख चरण हैं -

1. उपरोक्त सभी
2. केवल पढ़ना
3. केवल लिखना
4. केवल समझना

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

20) भाषा शिक्षण का लक्ष्य है -

1. अध्ययन अध्यापन का विकास
2. मानवीय संवेदना का विकास
3. भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास
4. अर्थोपार्जन एवं यश प्राप्त करना

Correct Answer :-

- भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास

21) भाषा के स्थानीय भेद से प्रयोग भेद में जो अंतर पड़ता है उसे कौन सी भाषा कहते है?

1. अवधी
2. मानक भाषा
3. मुख्य बोली
4. विभाषा

Correct Answer :-

- विभाषा

22) भाषा कौशल का एक प्रकार नहीं है -

1. संचार
2. लेखन
3. श्रवण
4. वाचन

Correct Answer :-

- संचार

23) भाषा कौशल के कितने चरण हैं -

1. चार
2. पाँच
3. दो
4. तीन

Correct Answer :-

- चार

24) प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'कफ़न' कब प्रकाशित हुई?

1. सन् 1936 ई.
2. सन् 1942 ई.
3. सन् 1920 ई.
4. सन् 1947 ई.

Correct Answer :-

- सन् 1936 ई.

25) कौन निम्न में से निबंध का अंग नहीं हैं?

1. विस्तार
2. चरित्र-चित्रण
3. भूमिका
4. उपसंहार

Correct Answer :-

- चरित्र-चित्रण

26) विश्व में सबसे अधिक डाक घरों की संख्या किस देश में है?

1. अमेरिका
2. चीन
3. भारत
4. बांग्लादेश

Correct Answer :-

- भारत

27) अधिगम से तात्पर्य है -

1. सीखना

2. अर्जित करने से

3. अनुकरण

4. रटकर विषय-वस्तु को याद करने से

Correct Answer :-

- सीखना

28) निम्नलिखित में से कौन-सा तथ्य 'संदेश रासक' के संदर्भ में सही नहीं है?

1. इसमें युद्धों का जीवंत वर्णन किया गया है।

2. यह एक विरह-काव्य है।

3. यह एक धर्मेत्तर रास ग्रंथ है।

4. यह अब्दुल रहमान द्वारा रचित है।

Correct Answer :-

- इसमें युद्धों का जीवंत वर्णन किया गया है।

29) निम्नलिखित में से कौन भारतन्दु युगीन निबंधकार नहीं है?

1. प्रताप नारायण मिश्र

2. जयशंकर प्रसाद

3. बदरीनारायण चौधरी

4. बालकृष्ण भट्ट

Correct Answer :-

- जयशंकर प्रसाद

30) निम्नलिखित में से कौन-सी आदिकालीन साहित्य की शाखा नहीं है?

1. जैन काव्य

2. रासो काव्य

3. रीतिमुक्त काव्य

4. सिद्ध काव्य

Correct Answer :-

- रीतिमुक्त काव्य

31) निम्नलिखित में से किस विद्वान ने अपभ्रंश को 'पुरानी हिंदी' नहीं माना है?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

3. रामचन्द्र शुक्ल

4. राहुल सांकृत्यायन

Correct Answer :-

- हजारी प्रसाद द्विवेदी

32) निम्नलिखित में कौन सा अलंकार है?

बावरो, रावरो नाह भवानी।

दान दिए बिन देत दिए बिनु, वेड बड़ाई भानी।।

1. ब्याजस्तुति अलंकार

2. अत्युक्ति अलंकार

3. रूपक अलंकार

4. उपमा अलंकार

Correct Answer :-

- ब्याजस्तुति अलंकार

33) निम्नलिखित में से छात्रों के लिए उपयुक्त 'दृश्य-श्रव्य सामग्री' है -

1. रेडियो, टेपरिकार्डर

2. मानचित्र, ग्लोब

3. ब्लैक बोर्ड, कंप्यूटर

4. मोबाईल, वीडियो गेम्स

Correct Answer :-

- ब्लैक बोर्ड, कंप्यूटर

34) निम्न वाक्यों में से कौन-सा विधानार्थक वाक्य है?

1. क्या हमने खाना खाया?

2. शायद हमने खाना खाया।

3. हमने खाना नहीं खाया।

4. हमने खाना खाया।

Correct Answer :-

- हमने खाना खाया।

35) निम्न में से कौन-सा कथन संपादक को लिखे जाने वाले पत्र के संबंध में असत्य है?

1. यह पत्र, समाचार पत्र के संपादक को पाठक के द्वारा लिखा जाता है।

2. यह पत्र, लोककल्याणकारी योजनाओं के पक्ष में जनसमर्थ का आव्हान करता है।

3. यह पत्र, संपादक के लिए पूर्ण रूप से छापना अनिवार्य नहीं है।

4. यह पत्र, आकार में दीर्घ नहीं होने चाहिए।

Correct Answer :-

- यह पत्र, संपादक के लिए पूर्ण रूप से छापना अनिवार्य नहीं है।

36) निम्न में से कौन-सा कहानी आन्दोलन हिंदी में नहीं हुआ है?

1. अ-कहानी आन्दोलन

2. नई कहानी आन्दोलन

3. शास्त्रीय कहानी आन्दोलन

4. संचेतना कहानी आन्दोलन

Correct Answer :-

- शास्त्रीय कहानी आन्दोलन

37) निम्न में से प्रेमचंद की किस कहानी का मुख्य पात्र एक पशु है?

1. पूस की रात

2. तावान

3. शतरंज के खिलाड़ी

4. बेटों वाली विधवा

Correct Answer :-

- पूस की रात

38) निम्न में से कौन-सी विशेषता आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में नहीं दिखाई पड़ती है?

1. जिजीविषा
2. सांस्कृतिक तत्व
3. लालित्य भावना
4. राजनीतिक चिंतन

Correct Answer :-

- राजनीतिक चिंतन

---

39) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है?

जो सुमिरत सिधि होइ,गन नायक करिवर बदन ।

करउ अनुग्रह सोइ,बुद्धि ससि सुभ मुन सदन।।

1. सोरठा छन्द
2. गीतिका छन्द
3. उल्लाला छन्द
4. बरवै छन्द

Correct Answer :-

- सोरठा छन्द

---

40) सहायक सामग्री का जनक माना जाता है -

1. जॉन्सन
2. मांटेसरी
3. पियाजे
4. फ्रोबेल

Correct Answer :-

- फ्रोबेल

---

41) किसी पत्र-पत्रिका के संपादक को निम्न में से किस प्रकार का पत्र नहीं लिखा जा सकता है?

1. स्पष्टीकरण संबधी पत्र
2. अधिसूचना पत्र
3. सुझाव या शिकायत संबंधी पत्र
4. शिकायती पत्र

Correct Answer :-

- अधिसूचना पत्र

---

42) बालकों को करके सीखने में आनंद का अनुभव किस सिद्धांत के अंतर्गत होता है?

1. व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धांत
2. क्रियाशीलता का सिद्धांत
3. समन्वय का सिद्धांत
4. अनुकरण का सिद्धांत

Correct Answer :-

- क्रियाशीलता का सिद्धांत

---

43) गोरखनाथ के गुरु कौन थे?

1. कबीर
2. मत्स्येंद्रनाथ

3. नागार्जुन

4. सरहपा

Correct Answer :-

- मत्स्येंद्रनाथ

44) 'ग्राफ' नीचे दिए गए विकल्पों में से किसका उदाहरण है -

1. उपरोक्त सभी

2. केवल श्रव्य सामग्री का

3. केवल दृश्य सामग्री का

4. दृश्य-श्रव्य सामग्री का

Correct Answer :-

- केवल दृश्य सामग्री का

45) 'जहर का घूँट पीना' मुहावरे का अर्थ है -

1. विरोधी होना।

2. विरोध में बात करना।

3. कड़वी बातें कहना।

4. अपमान सहकर भी चुप रहना।

Correct Answer :-

- अपमान सहकर भी चुप रहना।

46) 'हामिद', प्रेमचंद की किस कहानी का पात्र है?

1. पूस की रात

2. सच्ची वीरता

3. कफन

4. ईदगाह

Correct Answer :-

- ईदगाह

47) इसके प्रत्येक चरण में 16 मात्राएं होती हैं। अंत में लघु नहीं आता। - उपरोक्त विशेषताएं किस छन्द की है?

1. चौपाई छन्द

2. पीयूष वर्षा छन्द

3. रोला छन्द

4. ताटंक छन्द

Correct Answer :-

- चौपाई छन्द

48) प्रसिद्ध ब्रजभाषा-गद्य ग्रन्थ 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' और 'दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता' के लेखक कौन है?

1. गोकुलनाथ

2. विट्ठलनाथ

3. दौलतराम

4. नाभादास

Correct Answer :-

- गोकुलनाथ

49) “एक थाल मोति से भरा । सबके सिर पर औंधा धरा ।।

चारों ओर वह थाली फिरे । मोती उससे एक न गिरे ।।” - इस पहेली के लेखक कौन माने जाते हैं?

1. कबीर
2. विद्यापति
3. अमीर खुसरो
4. गोरखनाथ

Correct Answer :-

- अमीर खुसरो

50) 'प्रदूषण की समस्या' किस श्रेणी का निबंध है?

1. शैक्षिक
2. आर्थिक
3. समस्या प्रधान
4. सामाजिक

Correct Answer :-

- समस्या प्रधान

51) सिद्धों की संख्या कितनी मानी जाती है?

1. इक्यासी
2. चौरासी
3. छप्पन
4. तिरपन

Correct Answer :-

- चौरासी

52) सही विकल्प बताएं-

रूप सृष्टि करने वाली शक्ति ___________है। जीवन के विविध दृश्यों को सामने प्रस्तुत करना इसी का काम है।

1. कल्पना तत्व
2. अर्थ तत्व
3. बुद्धि तत्व
4. शब्द तत्व

Correct Answer :-

- कल्पना तत्व

53) हिंदी ललित निबंध का समर्पित एवं सर्वश्रेष्ठ हस्ताक्षर किसे कहा जाता है?

1. विद्यानिवास मिश्र
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
3. राजा रवि वर्मा
4. जयशंकर प्रसाद

Correct Answer :-

- विद्यानिवास मिश्र

54) हिंदीतर भाषी छात्रों की मातृभाषा को जानना शिक्षक के लिए -

1. आसान है।

2. सामान्य है।

3. चुनौतीपूर्ण है।

4. विशिष्ट है।

Correct Answer :-

- चुनौतीपूर्ण है।

---

55) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

ऊँचे घोर मंदर के अन्दर रहन वारी,

ऊँचे घोर मंदर के अन्दर रहाते है

1. श्लेष अलंकार

2. यमक अलंकार

3. रूपक अलंकार

4. उपमा अलंकार

Correct Answer :-

- यमक अलंकार

---

56) इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

संसार में धन के पूजारियों की क्या गति होती है?

1. वे परलोक की यात्रा करते हैं।

2. उनकी प्रतिष्ठा और नाम जग में नहीं रह जाता।

3. उनकी उपासना होती है।

4. उनके स्मारक बनाए जाते हैं।

Correct Answer :-

- उनकी प्रतिष्ठा और नाम जग में नहीं रह जाता।

---

57) इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

1. जीवन का लक्ष्य

2. रूपये की महत्ता

3. अपना अभिप्राय

4. धन की महत्ता

Correct Answer :-

- जीवन का लक्ष्य

---

58) इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

परिच्छेद के अनुसार हमें क्या करने मे अपना समय नहीं बिताना चाहिए ?

1. जीवन समर्पण में

2. रुपये कमाने में

3. प्रतिष्ठा कमाने में

4. उदाहरण ढूँढ़ने में

Correct Answer :-

- रुपये कमाने में

59) **इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।**

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

'धन की पूजा' से क्या अभिप्राय है?

1. स्वार्थी बनना।

2. स्वर्ग की यात्रा करना।

3. स्मारक बनाना।

4. मनुष्यत्व के लिए जीवन अर्पित करना।

Correct Answer :-

- स्वार्थी बनना।

60) **इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।**

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

संसार में किस प्रकार के मनुष्य की पूजा होती है?

1. जिनके स्मारक चिन्ह बनाए गए।

2. जिन्होंने स्वर्ग की यात्रा की।

3. जिन्होंने अपने जीवन को मनुष्यत्व के लिए अर्पण कर दिया।

4. जिन्होंने मृत्युपर्यंत धन कमाया।

Correct Answer :-

- जिन्होंने अपने जीवन को मनुष्यत्व के लिए अर्पण कर दिया।